श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 188, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

संध्या कालीन | नगर संस्करण | प्रयागराज | शुक्रवार 02 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरुप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

:कानपुर में हैवानियतः रेप के बाद 13 साल की लड़की को जिंदा जलाया

मंगलपुर (कानपुर देहात) (एजेंसी)। यूपी के कानपुर देहात में नाबालिग से हैवानियत की घटना सामने आई है। मंगलपुर थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में किशोरी के साथ रेप के बाद उसकी हत्या कर शव फूंक दिया गया। गांव के बाहर बाग में उसका जला शव मिला।

उसके कपड़े अस्त-व्यस्त थे और कुछ दूरी पर ही एक जली चारपाई भी मिली। आला अफसरों ने गांव पहुंचकर छानबीन की और फील्ड स्टाफ ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए। पिता ने अज्ञात के खिलाफ रेप व हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। 13 साल की किशोरी बुधवार रात में अपनी दादी और छोटी बहनों के साथ बरामदे में लेटी थी। रात में वह रहस्यमय ढंग से लापता हो गई। गुरुवार सुबह उसके न मिलने पर परिजनों ने तलाश शुरू की तो घर से 400 मीटर दूर बाग में उसका जला हुआ शव पड़ा मिला। कपड़े अस्त-व्यस्त हालत में मिले, जबकि वहां से तीन सौ मीटर दूर जली हुई चारपाई पड़ी मिली। सूचना मिलते ही एडीजी भानू भाष्कर, आईजी मोहित अग्रवाल, एसपी केशव कुमार चौधरी, एएसपी घनश्याम चौरसिया फील्ड स्टाफ के साथ

पीएम मोदी बोले-

डिजिटल इंडिया यानी भ्रष्टाचार पर चोट

सामान्य नागरिकों के लिए है यह सशक्तीकरण का बड़ा माध्यम

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल इंडिया सामान्य नागरिकों के लिए सुविधा और उनके सशक्तीकरण का एक बहुत बड़ा माध्यम है। इसने सिर्फ गरीबों की नहीं, बल्कि मध्यम वर्ग और युवाओं की जिंदगी भी बदल दी। डिजिटल इंडिया में सबको अवसर, सबको सुविधा और सबकी भागीदारी है। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के छह साल पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया पारदर्शी, भेदभाव रहित व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर चोट है। डिजिटल इंडिया समय, श्रम और धन की बचत है।

डिजिटल इंडिया मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस है और इससे सरकारी तंत्र तक हर किसी की पहुंच है। इस मौके पर सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद भी मौजूद थे।प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल इंडिया की बदौलत कोरोना के इस डेढ़ साल में ही भारत ने विभिनन्न योजनाओं के तहत करीब सात लाख करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से लोगों के बैंक अकाउंट में भेजे हैं। भारत में सिर्फ भीम

यूपीआइ से ही हर महीने करीब पांच लाख करोड़ रुपये का लेनदेन होता है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत एक लाख 35 हजार करोड़ रुपये 10 करोड़ से ज्यादा किसान परिवारों के बैंक अकाउंट में जमा किए गए हैं। डिजिटल इंडिया ने वन नेशन, वन एमएसपी की भावना को भी साकार किया है। इस वर्ष गेहूं की रिकार्ड खरीद के लगभग 85 हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के बैंक खाते में पहुंचे हैं।

ई-नाम पोर्टल से ही अब तक देश के किसान एक लाख 35 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का लेन-देन कर चुके हैं।अब 10वीं, 12वीं, कालेज, यूनिवर्सिटी की मार्कशीट से लेकर दूसरे त्माम दस्तावेज सीधे डिजि-लाकर में सहज रूप से रखे जा सकते हैं। अभी कोरोना काल में कई शहरों के कालेज एडमिशन के लिए स्कूल सर्टिफिकेट्स का वैरिफिकेशन डिजि-लाकर की मदद से ही कर रहे हैं। ड्राइविंग लाइसेंस हो, बर्थ सर्टिफिकेट हो, बिजली का बिल भरना हो, पानी का बिल भरना हो, इनकम टैक्स रिटर्न भरना हो, इस तरह के अनेक कामों की प्रक्रियाएं डिजिटल इंडिया की मदद से बहुत आसान हो गईं। गांवों में तो ये सब अब अपने घर के पास कामन सर्विस सेंटर से हो रहा है। अब दूसरे राज्य में जाने पर नया राशन कार्ड नहीं बनवाना होगा। एक ही राशन कार्ड पूरे देश में मान्य है। इसका सबसे बड़ा लाभ उन श्रमिक परिवारों को हो रहा है जो काम के लिए दूसरे राज्यों में जाते हैं।

मोदी माया का ऐसा...

एलपीजी की बढ़ती कीमतों पर राहुल गांधी ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। रसोई गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तंज कसा है। राहुल गांधी ने अगस्त 2016 से लेकर जुलाई 2021 के बीच एलपीजी कीमतों में हुई वृद्धि का ग्राफ दिखाते हुए ट्विटर पर लिखा, "मोदी माया का ऐसा पड़ा प्रभाव, बस जुमलों का ही गिरा है भाव। साथ किए गए ट्विट में राहुल गांधी ने जो ग्राफ शेयर किया है उसके मुताबिक, अगस्त 2016 में एलपीजी सिलेंडर की कीमत 400 रुपए थी जो जुलाई 2021 में बढ़कर 900 तक पहुंच गई है।

कांग्रेस ने रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर गुरुवार को कहा कि महामारी और आर्थिक संकट के समय सरकार का यह कदम उसकी उदासीनता को दिखाता है और लोगों को राहत देने के लिए उसे एलपीजी सिलेंडर के दाम कम करने चाहिए। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने दावा भी किया कि पिछले कुछ महीनों में

रसोई गैस की कीमतों में 240 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। गौरतलब है कि बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर के दाम में 25 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। अब दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के एक सिलेंडर की कीमत 809 से बढ़कर 834.50 रुपए हो गई है। सुप्रिया ने संवाददाताओं से कहा, "यह लोगों के घाव पर नमक छिड़कने के अलावा कुछ नहीं है। पिछले छह मौकों पर रसोई गैस की कीमतों में 240 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। नवंबर, 2020 में एक सिलेंडर की कीमत 594 रुपये की थी जो जुलाई, 2021 तक बढ़कर 834 रुपए हो गई है।

दरवाजे पर बैठे 12 लोगों को ट्रक ने रौंदा, चार बच्चों समेत पांच की मौत

मुजफ्फरपुर सरैया (एजेंसी)। मुजफ्फरपुर में सरैया थाने के सहदानी गांव में गुरुवार की रात नौ बजे अनियंत्रित ट्रक एनएच 722 किनारे स्थित घर के बाहर बैठे लोगों को कुचलते हुए बिजली के पोल से जा टकराया।

हादसे में दो परिवार के चार बच्चों की मौके पर मौत हो गई। इलाज के लिए ले जाने के क्रम एक अधेड़ ने दम तोड़ दिया। सात लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। सभी को निजी वाहन से बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने एसकेएमसीएच को अलर्ट किया। दूसरी ओर सरैया थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर चार बच्चे समेत पांच लोगों के शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। ट्रक को निकलाने की कवायद भी की जा रही है। ट्रक चालक का कोई पता नहीं चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार घायलों में एक अज्ञात व्यक्ति भी शामिल है जो संभवतः ट्रक चालक हो सकता है।

बताया यह भी जा रहा है कि ट्रक का चालक नशे में था। वह घटनास्थल के पहले से ही बेतरतीब तरीके से ट्रक चला रहा था। ट्रक सरैया से रेवा घाट छपरा की ओर जा रहा था। उधर हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने एनएच से गुजर रही कई वाहनों पर पथराव कर दिया जिसमें कई गाडि़यां क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस कैंप कर रही है। सहदानी गांव में कोहराम मचा है। तनाव को देखते हुए और पुलिस बल को बुलाया जा रहा है।

सरैया थानेदार के अनुसार ट्रक सहदानी गांव के पप्पू पासवान और लच्छु पासवान के घर के बाहर बैठे लोगों को कुचलते हुए बिजली के पोल से जा टकराया। इसके कारण ट्रक घर में नहीं घुसा। हालांकि घर का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त होने की बात कही जा रही है। चंदन पासवान की पुत्री अनिता कुमारी (4), लच्छू पासवान की पुत्री मनीषा कुमारी (7) व गोलू कुमार (5), दुर्गा कुमारी (5) व एक

थरूर बोले- आक्रमक हो चुकी है चीन की कूटनीति, अब हावी होने की स्थिति में पहुंच गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन की आक्रामक कूटनीति (वुल्फ वरियर डिप्लोमेसी) भारत के अनुभवों के हिसाब से अब सैन्य शक्ति के प्रदर्शन से आगे निकलकर हावी होने की स्थिति में पहुंच गई है।

ऐसे में भारत को अपनी रक्षा की उचित तैयारियां करते हुए बीजिंग के साथ कुशल कूटनीति के जरिए शांति सुनिश्चित करनी चाहिए। वैश्विक नेतृत्व पर आयोजित 'इंडिया ग्लोबल फोरम सत्र के दौरान पूर्व विदेश राज्य मंत्री यह भी कहा कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग के तहत चीन 'अच्छे अवसरों की

प्रतीक्षा करने वाले उस रुख में बदलाव कर रहा है जो आधुनिक चीन के शिल्पी कहे जाने वाले नेता डेंग श्याओपिंग के तहत अपनाया गया था क्योंकि वह चाहते थे कि चीन प्रगति करे और मजबूत एवं समृद्ध बने, लेकिन विनम्र रहे।

पिछले साल गलवान घाटी में चीनी सैनिकों की आक्रमता को विफल करने के दौरान झड़प में 20 भारतीय जवानों के शहीद होने की घटना का उल्लेख करते हुए थरूर ने कहा कि यह कोई छोटा मामला नहीं था क्योंकि इस घटना से पहले करीब आधी सदी भारत-चीन सीमा पर शांति थी। लोकसभा सदस्य ने कहा, "चीन अचानक से हमारे क्षेत्र में घुस गया....हमारे सैनिकों ने विनम्रतापूर्व उन्हें जाने के लिए कहा और फिर उन्हें (भारतीय जवानों) मार दिया गया। पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने इस बात पर जोर दिया, "इसलिए भारतीय अनुभवों में चीन की आक्रामक कूटनीति बयानबाजी से आगे निकल गई है और यह शक्ति प्रदर्शन से आगे बढ़कर हावी होने तक पहुंच गई है। इसे हम हल्के में लेने का जोखिम मोल नहीं ले सकते।

पिछली सरकार की नीतियों के कारण बढ़ रहीं कीमतें : महेश शर्मा

नोएडा (एजेंसी)। कांग्रेस द्वारा केंद्र सरकार पर पेट्रोल और डीजल के माध्यम से करोड़ों रुपये वसूलने के आरोपों पर गुरुवार को बीजेपी सांसद और पूर्व मंत्री महेश शर्मा ने पलटवार किया। महेश शर्मा ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण हो रही है। शर्मा गुरुवार को मीडिया से बात कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल हमारी सरकार के कारण नहीं हो रही है। इसकी वजह कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारें हैं। कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान ईंधन की कीमतों को अंतरराष्ट्रीय मूल्य सूचकांक से जोड़ा था।

कश्मीर के बाद लद्दाख में भी उठी पूर्ण राज्य की मांग, दिल्ली में मोदी के मंत्री से मिले नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर से 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद अपनी तरह की पहली बैठक में, लद्दाख के नेता गुरुवार को नई दिल्ली में गृह मंत्रालय पहुंचे।यहां उन्होंने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी से मुलाकात की और लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग की। . कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के बैनर तले सिविल सोसाइटी समूह और कारगिल के राजनीतिक नेताओं के साथ केंद्र की बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जम्मू-

कश्मीर के नेताओं की इसी तरह की बैठक के कुछ दिनों बाद हुई है।

कांग्रेस पार्टी और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (केडीए) के नेता असगर अली करबलाई ने कहा, ठहमने लद्दाख के लिए पूर्ण राज्य की मांग की। हमारे सदस्यों ने खुले दिल से बात की और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने भी खुले दिल से हमारी बात सुनी और कहा कि यह पहली बैठक है और वह इन सभी चीजों को आगे बढ़ाएंगे और कुछ ठोस कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार लद्दाख के विकास को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा, ठकेंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से कारगिल, लेह का दौरा करेंगे और हमें फिर से बुलाया जाएगा लेकिन कोई तारीख नहीं दी गई है। उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि केंद्र गंभीर है और वह हमारे शब्दों को गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक ले जाएंगे।

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता-भीरपुर करछना, प्रयागराज

Reg. No. U01400UP2021PTC147142
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
स्थापना वर्ष - 2021
शेषदुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड
अश्वगंधा
अकरकरा
प्रयागराज के किसानों से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम-कबरा, पोस्ट-डीहा, तहसील-करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय-868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।
नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका निःशुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षों का अनुभव प्राप्त।
पता: एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबर: 9793403230, 9335128224

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK
PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014
मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव-प्रयागराज,
निवास ग्राम-अल्हवा, देवघाट, कोरांव-प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

प्रो. शैलेन्द्र कुमार
चन्दा टीवीएस
नगद एवं फाइनेन्स की सुविधा उपलब्ध है।
जारी बाजार, प्रयागराज मो: 9721116002

साईं कृपा मेंस पार्लर
न्यू हेअर कट, हेअर स्ट्रेटिंग, हेअर पॅच/ विक, स्किन ट्रीटमेंट, हेअर स्पा, फायर कट मॉडेल मेकअप, नवरदेव मेकअपउ (पॅकेज)
पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है।
प्रो0 उमेश शर्मा
Mob.: 7860823593
पता त्रिवेणीपुरम नियर पानी की टंकी झूसी प्रयागराज

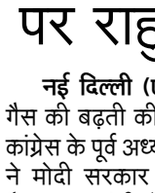

ग्रामीण अचंल

बाबूगंज बाजार में शव रखकर चक्का जाम कर रहे ग्रामीणों से पुलिस की झड़प

हादसे में घायल प्रधान की इलाज के दौरान हो गई थी मौत, हत्या की आशंका

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। सप्ताह भर पहले सड़क हादसे में घायल प्रधान की इलाज के दौरान मौत होने पर ग्रामीणों ने बाबूगंज बाजार में शव रखकर चक्का जाम कर दिया। जिससे प्रयागराज जौनपुर मार्ग पर आवागमन ठप हो गया

मौके पर पहुंची भारी पुलिस बल से ग्रामीणों की झड़प भी हुई।

फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के इफको पुलिस चौकी अंतर्गत कनौजा खुर्द गांव के नव निर्वाचित ग्राम प्रधान अजय कुमार भारतीय 33 अभी सम्पनन्‍ पंचायत चुनाव में गांव के प्रधान पद पर निर्वाचित हुए थे। सप्ताह भर पहले बहरिया इलाके में अपनी भतीजी के बर्थडे पार्टी से रात करीब 11 बजे अपनी बाइक से वापस घर लौट रहे थे तभी किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर

मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

स्थानीय ग्रामीणों ने इलाज के लिए शहर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां हालात बिगड़ता देख चिकित्सकों ने शहर के लिए रेफर कर दिया। इलाज के दौरान अजय ने गुरुवार सुबह दम तोड़ दिया। घटना से जहां घर में कोहराम मच गया वहीं पूरे गांव में मातम छा गया।गुस्साए ग्रामीणों ने गुरुवार को बाबूगंज बाजार में शव रखकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। मौके पर मय फोर्स पहुंची फूलपुर कोतवाली पुलिस ने किसी तरह ग्रामीणों को समझाकर बुझाकर आवागमन को चालू करवाया।

लापरवाही : विद्यालय खुलने के प्रथम दिन ही अध्यापक रहे नदारद

कोरांव/प्रयागराज। कोरांव ब्लाक के ग्राम पंचायत अल्हवा में स्थित प्राथमिक विद्यालय में स्कूल खुलने के प्रथम दिन एक जुलाई को मात्र एक टीचर के अलावा सेस तीन टीचर नहीं आए। जिस पर ग्राम प्रधान ने नाराजगी जताई। बता दें कि पूरे प्रदेश में एक जुलाई से प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय खुल गए हैं। जिसमें फिलहाल अध्यापकों को ही उपस्थित होना है। प्राथमिक विद्यालय अल्हवा में प्रधान अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे ने विद्यालय जा कर जायजा लिया। स्कूल की साफ सफाई रनिंग वाटर सप्लाई पौध आदि की स्थितियां देखी। और मरम्मती करण और रंगाई पुताई आदि की ब्यवस्था पर विचार किया। और पौधारोपण की व्यवस्था सुनिश्चित की। रसोइयों को बुलाकर साफ सफाई भोजनालय की कराई और उनकी समस्याएं सुनीं। श्रमिक लगा कर पूरे विद्यालय और फिल्ड में तथा पंचायत भवन में साफ सफाई घास कटिंग कराई। और पौधारोपण के लिए गढ़े खुदवाए।

पंचायत समिति के गठन को लेकर सदस्यों ने काटा हंगामा

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। पंचायत चुनाव के बाद गांव के विकास के लिए समितियों के निर्माण में पंचायत सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

फूलपुर विकास खंड के भमईहुसामगंज गांव में तीन बैठकों के बाद भी समतियो का गठन नहीं हो सका। गुरुवार को ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में समिति के गठन को लेकर बैठक शुरू हुई तो विपक्ष के पंचायत सदस्यों ने निर्माण समिति एवं प्रशासनिक समिति के गठन को लेकर जमकर हंगामा काटा। विपक्षी सदस्यों ने खंड विकास अधिकारी सहित कोतवाली में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

फूलपुर विकास खंड के भमईहुसामगंज गांव में गुरुवार को गांव के विकास के लिए समिति के निर्माण को लेकर ग्राम प्रधान योगेंद्र कुमार भारतीय की अध्यक्षता में पंचायत सचिव विनोद कुमार की देखरेख में बैठक जैसे ही शुरू हुई

की विपक्षी सदस्यों ने निर्माण समिति में अपनी हिस्सेदारी को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। सुरक्षा को लेकर दो सिपाही भी मौके पर पहुंचे थे। पंचायत सदस्य जावेद अहमद एवं शाहजहां का आरोप है कि ग्राम प्रधान ने दबंगई के बल पर जबरन विपक्षी सदस्यों से उपस्थित के नाम पर हस्ताक्षर कराने के बाद बिना किसी बिंदु पर चर्चा किए ही अपने मनमानी से समिति समिति का गठन करना शुरू कर दिया।

इसी बात को लेकर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। आरोप है कि इस बीच दोनों पक्षों में हाथापाई शुरू हो गई। नाराज विपक्षी सदस्यों ने जिलाधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को डाक द्वारा शिकायती पत्र भेजकर कोतवाली एवं खंड विकास अधिकारी को शिकायती पत्र देकर समिति के गठन के लिए सक्षम अधिकारियों के समक्ष पुलिस बल की उपस्थित में बैठक कराने की मांग की है । मौके पर पंचायत सदस्य फूलचंद्र,मालती देवी,जावेद अहमद, शाहजहां,अन्मीरा, तारा देवी,केकवा देवी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जिलापंचायत अध्यक्ष की कुर्सी बागियों के सहारे

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज तीन जुलाई को होने वाले जिला पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए भाजपा और सपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। दोनों पाटिर्यां अपने-अपने अध्यक्ष प्रत्याशी को जिताने के लिए जरूरी 43 वोट जादुई अंक को पक्का करने की कोशिश में एंडी चोटी का जोर लगा रही हैं। 84 सदस्यों वाली जिला पंचायत में दोनों पार्टी के प्रत्याशी 60-60 वोट निश्चित होने का दावा तो कर रहे हैं। लेकिन हकीकत में स्थिति कुछ और है। सूत्रों के मुताबिक अभी तक दोनों पार्टी प्रत्याशियों के पास जीत के लिए 43 का जादुई आंकड़ा नहीं है। दोनों प्रत्याशियों को कम से कम 12 सदस्यों के समर्थन की जरूरत है। जिला पंचायत चुनाव पर नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि एक दर्जन सदस्यों का समर्थन बहुत महत्वपूर्ण होगा। जानकारों के अनुसार प्रत्याशी दावा कुछ भी करें लेकिन 43 वोट के लिए दोनों पाटिर्यां एन केन प्रकारेंड की तर्ज पर शीर्ष नेताओं के दम पर कोशिश कर रही हैं।बहुमत एक आंकड़ा पूरा करने के लिए जिला पंचायत सदस्यों को अपनी तरफ खींचने की पुरजोर कोशिश चुनाव के दिन तक होगी। हालाकि पूर्व चुनावों पर एक नजर डालें तो पलड़ा सत्ता पक्ष का ही भारी पड़ा है। ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि अप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की निगरानी में इस चुनाव में भी बागी सदस्य और निर्दलीय सदस्यों के दम।पर चुनाव की स्थिति बदलेगी।

डाक्टर कल्याण निधि परिजनों को होगी समर्पित : डॉ.पाण्डेय

डाक्टर्स डे पर सम्मानित हुए कोरोना वारियर्स के परिजन

अखंड भारत संदेश

करछना। डॉक्टर कल्याण निधि दिवंगत साथियों के परिजनों को समर्पित होगी।शहर के संभ्रांत चिकित्सकों के सहयोग से विगत महीने विनिवेश फण्ड में लगभग 12लाख रुपए एकत्र हो चुके हैं जिसमें कई चिकित्सकों द्वारा एक 1,1लाख का भी अंशदान किया जाना बहुत सराहनीय है।

इसके लिए डॉ आर.एन.मिश्रा की अध्यक्षता में गठित समिति के माध्यम से जरूरतमंद डॉक्टर परिवारों की मदद की जाएगी।प्रो0 ए के गुप्ता,प्रो0आरएन मिश्रा और डॉ.मुकेश खरे की मौजूदगी में डॉक्टर्स डे पर आयोजित एक कार्यक्रम के बीच यह बातें संस्थान के पीआरओ डॉ भगवत

पांण्डेयने कही। उन्होंने बताया प्रथम किस्त के रूप में कल्याण निधि द्वारा महामारी के दौरान दिवंगत तीन चिकित्सकों के परिजनो को चेक प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के संभ्रांत चिकित्सकों के सहयोग से अपने सामाजिक और नैतिक मूल्यों के आधार पर आकस्मिक परिस्थितियों में यह निधि बहुत ही कारगर होगी । उम्मीद जताया की धीरे-धीरेअच्छे फंड के रूप में वर्ष भर के भीतर एक बड़ी राशि के रूप में एकत्र होगी जोआपात स्थिति में दिवंगत साथियों के परिजनों को मदद के रूप में सहायक होगी ।

डॉ आशीष टंडन ने कहा कि दिवंगत साथियों के परिवार का सभी चिकित्सक एवं चिकित्सा संस्थान निशुल्क इलाज और हर संभव मदद के लिए आगे आए। किसी भी डॉक्टर को स्वतः बीमारी की स्थिति में ब्लड बैंक द्वारा निशुल्क रक्तभी मुहैया कराया जाएगा। इस मौके पर डॉ कार्तिकेय शर्मा,डॉ आशीष टंडन,डॉ ए के गुप्ता ,डॉ मनीष सक्सेना,डॉ अनूप बनर्जी,डॉ विनय पांडेय, डॉ बी बी अग्रवाल, डॉ सुशील सिन्हा डॉ घनश्याम मिश्र ,डॉ शरद जैन डॉ निकुंज अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक मौजूद रहे

उग्रसेनपुर में केक काटकर मनाया गया अखिलेश यादव का जन्मदिन

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का बृहस्पतिवार को उग्रसेनपुर बाजार में युवा सपा नेता दीपक यादव की अगुवाई में सपा कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उत्साहपूर्वक पूर्व मुख्यमंत्री का जन्मदिन मनाया।इस अवसर पर कार्यकर्ताओ ने 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प लिया युवा नेता दीपक यादव ने कहा अखिलेश यादव के नेतृत्व में ही सर्वसमाज का हित है। आज किसान,उधमी सभी वर्ग परेशान है और वर्तमान सरकार से निजात पाना चाहते है।जनता अखिलेश यादव के कार्यकाल को याद कर रही है।इस मौके पर राहुल यादव(मोनू), जयप्रकाश यादव, चंद्रमणि यादव, लवकुश शुक्ला,अजीत,शुभम आलोक, शांतनू, दीपक शुक्ला, राकेश, नीरज सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव के जन्मदिवस पर सपाइयों ने किया पौधरोपण

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का 48वां जन्मदिन फूलपुर में गुरुवार को सपाइयों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक मनाया। पूर्व मुख्यमंत्री के दीर्घायु हेतु कार्यकर्ताओं ने मंदिर में हवन किया तो वहीं सलामती के लिए मस्जिदों में भी दुआ मांगी गई।

समाजवादी युवजन सभा के कार्यकताओं ने सर्वप्रथम महाकालेश्वर मंदिर गुलहरिया में समाजवादी युवजन सभा के निवर्तमान जिला सचिव सोनू पाण्डेय व समाजवादी युवजन सभा के निर्वतमान फूलपुर विधान सभा अध्यक्ष कुमार मंगल के नेतृत्व में विधि विधान से हवन पूजा कर अखिलेश यादव के

लिए दीर्घायु की प्रार्थना की। इस दौरान उत्साहित कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को केक खिलाकर आगामी विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने का संकल्प लिया। तत्पश्चात सपा कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सीएचसी फूलपुर में अधीक्षक के साथ मिलकर पौधरोपण किया।

इस मौके पर प्रशांत यदुवंशी, सचिन यादव, रवि प्रताप यादव, अमर सिंह यादव, राजेश यादव, आकाश यादव,बबलू नेता, अरशद उल्लाह, अनीश अहमद, प्रणव द्विवेदी, राहुल दुबे,विवेक यादव, शेर खान, धर्मेंद्र यादव, फिरोज राईन, अखिलेश यादव,अमित यादव, वरिष्ठ समाजसेवी इमरान अहमद, देवेंद्र नाथ सहित दर्जनों सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन दिनों से जला ट्रांसफार्मर लोग अंधेरे में रह रहे

करछना। विद्युत उपकेंद्र करछना के अंतर्गत ग्राम सभा बसरिया में 63 केवीए का लगा ट्रांसफार्मर तीन दिनों से जल गया है जिससे पूरे गांव के लोग अंधेरे में रहने पर विवश है। इस समय उमस भरी गर्मी चल रही है ऐसे समय में ट्रांसफार्मर जलने से लोगों को भीषण गर्मी झेलनी पड़ रही है साथ ही काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ।इस समय किसानों के धान की रोपाई का समय है जिससे किसानों द्वारा समर्सिबल नहीं चलाए जाने के कारण धान की रोपाई भी नहीं हो पा रही हैं ।बसरिया गांव निवासी संतोष यादव ने कई बार करछना विद्युत केंद्र के जेई से ट्रांसफार्मर बदलने के लिए कहा किंतु अभी तक 3 दिन बीत जाने के बाद भी ट्रांसफार्मर बदला नहीं जा सका।

50 हजार रुपए की सुपारी देकर गोलू का कराई थी हत्या चार आरोपी गिरफ्तार

आला कत्ल सहित 20 हज़ार 3 सौ नकदी किया बरामद

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर के सुक्खू का पूरा गांव में गोलू की हत्या पचास हजार रूपए का सुपारी देकर तीन युवकों से कराया गया था। गुरूवार के दिन पुलिस ने गोलू के हत्यारो को पकड़ आला कत्ल सहित 20300 रूपए बरामद कर खुलासा करते हुए आरोपितो को जेल भेज दिया।

सुक्खू का पूरा गांव निवासी कल्लू बिंद के नाती गोलू 14 पुत्र धर्मराज का शव सोमवार की सुबह घर से कुछ दूर खेत में रखें पुआल पर पाया गया था। मामले में कल्लू ने गांव के मौजी लाल बिंद पर जमीन विवाद की वजह से हत्या का आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र दिया था। मामले में अपराध शाखा यमुनापार संतोष सिंह व एसओ राजेश उपाध्याय जांच पड़ताल कर रहे थे। घटना के दिन ही पुलिस ने आरोपित मौजी लाल को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही थी लेकिन मौजी लाल अपने बचाव में पुलिस को

गुमराह कर जुर्म पर पर्दा डाल रहा था कि पुलिस ने गांव के ही राकेश बिंद पुत्र दयाराम को पकड़ कड़ाई किया तो वह हत्या के सारे राज खोल दिए हत्या मे शामिल गांव के ही अपने दो अन्य साथियों राजेश बिंद पुत्र बनवारी लाल और चंचल बिंद पुत्र अमृत लाल को शामिल होने की बात कही तो पुलिस ने इन दोनो को भी पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस को बताया कि मौजी लाल बिंद ने गोलू की हत्या के लिए पचास हजार रूपए की सुपारी दी थी। जिसमे से 25 हजार एडवांस दिया था। पुलिस ने बताया कि रविवार के शाम को राजेश बिंद ने बिस्किट देने के बहाने गोलू को राकेश के घर ले गया। वहां पर गोलू को कमरे में बंद कर रात को खेत मे नायलान की रस्सी से गला कस हत्या कर शव को खेत में रखें पुआल के उपर फेंक दिए थे।पुलिस ने नायलान की रस्सी और रुमाल सहित 20 हज़ार तीन सौ रुपए बरामद किया। पुलिस ने बताया कि कुछ दिन पूर्व गांव में विवादित ज़मीन को लेकर पंचायत हुई थीं उसमे आरोपित मौजी लाल को जलील होना पड़ा था। जिससे गोलू की हत्या कर अपने जलील होने का बदला लिया था। पुलिस ने गुरूवार के दिन चारों आरोपियों को जेल भेज दिया।

लेखपाल केदारनाथ को दी गई विदाई

अखंड भारत संदेश

बहरिया। राजस्व निरीक्षक नवल किशोर शुक्ला के नेतृत्व में कमला नगर चौराहे पर एक विदाई समारोह आयोजित किया गया जिसमें हल्का लेखपाल केदारनाथ जिन्होंने लगभग 39 वर्षों तक फूलपुर तहसील एवं अन्य तहसीलों में कार्य करते हुए 30 जून को सेवानिवृत्त हुए।विदाई समारोह में राजस्व निरीक्षक नवल किशोर शुक्ला ने बताया।कि केदारनाथ यादव बहुत ही सज्जन और कार्य कुशल किस्म के व्यक्ति थे। उन्होंने अपने कार्यकाल में राजस्व संबंधी कई विवादों का हाल बड़े ही उचित तरीके से करवाया।इस मौके पर राम कैलाश बसंत लाल गया प्रसाद मौर्य राम कुशल विपिन कुमार कपिल अखिलेश कुमार अमृत लाल पटेल आदि लोग मौके पर उपस्थित रहे।

मंत्री नंदी मृतक कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिले, दी श्रद्धांजलि, की आर्थिक सहायता

पीसीएस 2019 में चयनित छिवकी निवासी एसडीएम युगांतर त्रिपाठी को किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

नैनी। उत्तर प्रदेश के नागरिक उड्डयन, अल्पसंख्यक कल्याण, राजनीतिक पेंशन, मुस्लिम वक्फ एवं हज मंत्री व प्रयागराज शहर दक्षिणी विधायक नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने गुरुवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के नैनी एरिया में कोरोना महामारी के कारण जान गंवाने वाले कार्यकर्ताओं के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त किया। पार्टी के कार्यकर्ता स्व. राजेश पांडेय की पतनी और श्रीमती विद्या सिंह को 50 - 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी। वहीं हर संभव मदद किए जाने का भरोसा जताया।

इस दौरान दिलीप केसरवानी, ओमप्रकाश मिश्रा, बी बी सिंह, अरुड़ पांडेय, रवि मिश्रा, लवकुश तिवारी, अभिषेक केसरवानी, विजय राय, मनोज गुप्ता, शशांक शेखर पांडेय, वी वी दुबे आदि मौजूद रहे।

वैक्सीन टीकाकरण का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

नैनी। राज्य बीमा चिकत्सालय नैनी में चल रहे कोविड वैक्सीन टीकाकरण का निरीक्षण किया। वैक्सीन लगवाने आए लोगों से बातचीत की। जिन्होंने जागरूकता का परिचय देते हुए टीकाकरण सभी के लिए आवश्यक बताया।

अखिलेश यादव का जन्मदिन हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया

नैनी। जिला समाजवादी पार्टी प्रयागराज के तत्वाधान में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश अखिलेश यादव का जन्मदिन गुरुवार को हर्षोल्लास और धूमधाम से एक दूसरे को केक खिलाकर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के नैनी स्थित गंगोत्री नगर में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र से सपा पार्टी के दावेदार प्रत्याशी बब्बन दुबे अपने निवास पर शाम को भारी-भरकम केक को कार्यकर्ताओं के संग काटकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन बड़ी धूमधाम के साथ मनाया। इस दौरान कई समाजवादी पार्टी से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रक में रखे पचास हजार रुपए उड़ाया चोर को पकड़ सौंपा पुलिस को

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। इलाक़े के पालपुर स्थित एक ईंट भट्ठे मे खड़े ट्रक के अंदर से चोर ने पचास हजार रुपए उड़ा दिया। मौके से आशंकावस लोगों ने चार लोगों को मौके से दबोच पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने एक चोर के पास से नकदी बरामद कर लिया।मध्य प्रदेश के रीवा के कटरा निवासी सौखे लाल ट्रक चालक है।

गुरूवार के शाम घूरपुर के पालपुर गांव स्थित एक ईंट भट्ठे में ट्रक लेकर ईंट लदवाने पहुंचा। और चार मजदूर ईंट लाद रहे थे कि चालक ने भाड़ा में मिले पचास हजार रुपए ट्रक के केविन मे रखा था। ट्रक चालक नीचे उतर चायपान कर कुछ देर बाद वापस केविन मे घुसा तो पचास हजार रुपए गायब देख परेशान हो गया।

ईंट भट्ठे मालिक को मामले को पता चला तो ईंट लाद रहे मजदूरों पर ही शक हुआ तो चारों मजदूरों को पकड़ पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने कर्रा किया तो रूपये चोरी करने वाले एक मजदूर गोरे लाल पुत्र भुवर लाल निवासी कंजासा जो इस समय बादलगंज मे ही रह रहा है की पतनी ने चोरी की रूपये लाकर पुलिस को वापस किया। उसकी पतनी ने बताया कि पति ने चोरी कर घर में रखने के लिए दिया था। मामले में पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

बिजली के करंट से 2 भेड़े मरी

अखंड भारत संदेश

सिकन्दरा। विद्युत वितरण खंड तुलापुर के अंतर्गत सौभाग्य योजना के तहत दलीपुर गांव में नए सिरे से विद्युत पोल एवं तार लगाए जा रहे थे।जिसका कार्य कोविड-19 के चलते मार्च से जून तक ठप पड़ा है। किंतु कल जुगुनीडीह के नयेपूरा निवासी सभालाल पाल बुधवार की शाम को तुलापुर जंगल से अपनी भेड़ों को चरा कर लौट रहा था।कि रास्ते में दलीपुर गांव सभा के सामने लटके हुए विद्युत तारों से 2 भेड़ें छू गई।जिनकी मौके पर ही मौत हो गई।

गंगाजल से कोरोना के इलाज मामले में आईसीएमआर व केंद्र की इथिक्स कमेटी को नोटिस

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गंगाजल से कोविड-19 के इलाज की वैक्सीन तैयार करने को क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति देने की मांग में दाखिल याचिका पर इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च और केंद्र सरकार की इथिक्स कमेटी को नोटिस जारी किया है। साथ ही केंद्र सरकार सहित सभी विपक्षियों से याचिका पर तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

यह आदेश कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति एमएन भंडारी एवं न्यायमूर्ति राजेन्द्र कुमार की खंडपीठ ने गंगा प्रदूषण मामले के एमिकस क्यूरी वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण कुमार गुप्ता की जनहित याचिका पर दिया है। अरुण कुमार गुप्ता का कहना है कि बीएचयू के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रो. डॉ विजय नाथ मिश्र के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने गंगाजल पर रिसर्च कर नोजल स्प्रे वैक्सीन तैयार की है, जो मात्र 30 रुपये में लोगों को कोरोना से राहत दे सकती है। इसकी रिपोर्ट तैयार कर इथिक्स कमेटी को भेजी गई है और क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति मांगी गई है लेकिन इस संबंध में कोई निणय्र नहीं लिया गया। बीएचयू के डॉक्टरों का दावा है कि वायरो फेज थेरेपी से कोरोना का खात्मा किया जा सकता है।

अब तक जितनी भी वैक्सीन है, वे वायरस को डी-एक्टीवेट करती हैं जबकि गंगा जल से प्रस्तावित वैक्सीन कोरोना को खत्म कर देगी। बीएचयू के डॉक्टरों की टीम ने आईसीएमआर व आयुष मंत्रालय को क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति के लिए शोध प्रस्ताव भेजा है लेकिन वे कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। याचिका में मांग की गई है कि आयुष मंत्रालय व आईसीएमआर को डॉ. वीएन मिश्र की टीम को क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति देने का समादेश जारी किया जाए।

साथ ही पुणे की वायरोलाजी लैब में गंगाजल से तैयार वैक्सीन का टेस्ट कराया जाए। याचिका के अनुसार शोध प्रस्ताव राष्ट्रपति को भी भेजा गया है, जिसमें दावा किया गया है कि गंगाजल का क्लीनिकल ट्रायल कर कोरोना को जड़ से खत्म करने की वैक्सीन तैयार की जा सकती है।

याची का कहना है कि वर्ष 1896 में ब्रिटिश बैक्टीरियोलाजिस्ट अनेस्ट हाकिंस ने गंगाजल पर शोध किया था। उनकी रिपोर्ट ब्रिटिश मेडिकल जनरल में प्रकाशित हुई थी। गंगोत्री के जल में सेल्फ प्यूरीफाइंग क्वालिटी पाई गई थी। अन्य कई देशों की मैग्जीन में भी शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं। अरुण कुमार गुप्ता ने 28 अप्रैल 2020 को सभी शोधपत्र नेशनल क्लीन गंगा मिशन को भेजे हैं और महानिदेशक आईसीएमआर को भी देकर क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति मांगी है। वह गंगा प्रदूषण मामले की जनहित याचिका में एमिकस क्यूरी हैं और गंगाजल की बेहतरी के लिए लगे हुए हैं। ऐसी ही रिपोर्ट भरत झुनझुनवाला ने भी भेजी है। आईसीएमआर ने मनमाने तरीके से सभी रिसर्च को नकार दिया है। राष्ट्रपति के सचिव ने रिपोर्ट आयुष मंत्रालय को भेजी थी। मंत्रालय ने साइंटिफिक अध्ययन के अभाव के कारण इस पर विचार ही नहीं किया।साइंटिफिक अध्ययन आयुष मंत्रालय व आईसीएमआर की अनुमति बगैर संभव नहीं है। जबकि बीएचयू के डॉक्टरों की टीम ने जो नोजल स्प्रे वैक्सीन तैयार की।लगभग 300 लोगो पर उसके प्रयोग के सकारात्मक परिणाम आए है। हिन्दी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी में एक लेख 19 मार्च 2020 को प्रकाशित भी हुआ है। इस पर यह याचिका दाखिल की गई है।

राज्यसभा में उठेगा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ बहाली का मुद्दा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। राज्यसभा सदस्य एवं आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ बहाली का मुद्दा सदन में उठाएंगे। विश्वविद्यालय में संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले 345 दिनों से जारी आंदोलन में शामिल होकर उन्होंने छात्रसंघ बहाली को अपना समर्थन दिया और छात्रों का आश्वास्त किया कि इस संघर्ष में पूरी तरह से उनके साथ हैं।

छात्रसंघ भवन के सामने जारी आंदोलन में शामिल होने पहुंचे सांसद संजय सिंह कहा कि छात्रसंघ संविधान से प्रदत्त छात्रों का संवैधानिक अधिकार है। इसे कोई भी प्रशासन या शासन नहीं छीन सकता। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह इस तरह के अहिंसावादी आंदोलनों के साथ हमेशा खड़े हैं और जैसे ही सदन चलेगा, छात्रसंघ बहाली का मुद्दा उठाएंगे। कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के गौरवशाली इतिहास से सभी परिचित हैं। ऐसे गौरवशाली छात्रसंघ का बंद होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मौके पर छात्र नेता अजय यादव सम्राट, नवनीत यादव, मसूद अंसारी, राहुल पटेल, हरेंद्र यादव, मुबाशिर हारून, अभिषेक, यशवंत आदि मौजूद रहे।

शिकायत व गड़बड़ी पर तीन दरोगा निलंबित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ मिल रही शिकायतों की जांच शुरू करा दी है। शिकायतों की पुष्टि होने पर विभागीय कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सिविल लाइंस चौकी इंचार्ज समेत तीन दरोगा निलंबित कर दिए गए।

डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने सभी चौकी इंचार्ज को चेतावनी दी है कि अगर उनके इलाके में कहीं जुआ और सट्टा की सूचना मिली तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था। इस बीच मीरापुर चौकी इंचार्ज राजेश दीक्षित के क्षेत्र में जुआ चलने की सूचना मिली।

अफसर ने चेक कराया तो पुष्टि हो गई। इसके बाद चौकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया गया। वहीं, सिविल लाइंस चौकी इंचार्ज अखिलेश सिंह को एक जांच में बाहर भेजा गया था। पुलिस अफसरों ने उनसे रिपोर्ट मांगी। पता चला कि उन्होंने काम भी नहीं किया और मोबाइल भी बंद कर लिया। अखिलेश को निलंबित कर दिया गया। इसी तरह कोरांव के रामगढ़ चौकी इंचार्ज सुनील को शिकायत पर डीआईजी ने निलंबित कर दिया।

जब प्रेमी के घर पहुंची प्रेमिका घर में मचा हड़कंप, मौके पर पहुंची पुलिस

अखंड भारत संदेश

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के एक गांव में एक प्रेमी के घर प्रेमिका पहुंच गई तो हड़कंप मच गया। वही सूचना पर पहुंची पुलिस ने तांडव कर रही प्रेमिका को थाने ले गई। उत्तराव क्षेत्र के एक गांव में एक युवक द्वारा 5 माह पूर्व प्रतापगढ़ की एक युवती जो लखनऊ में किसी कम्पनी में जॉब करती है।उससे फेसबुक पर दोस्ती हुई तो चैटिंग करते-करते नंबर लेकर बातचीत करना शुरू कर दिया।

बात इतना बढ़ गई की दोनो प्यार की लहर में बहने लगे। प्रेमी प्रेमिका एक दूसरे से बात किए बिना रह नहीं पाते थे।बात बढ़ती गयी तो एक दूसरे से मिलना जुलना भी शुरू हुआ। प्रेमी के सिर पर चढ़ा प्यार का परवान प्रेमिका से शादी का वादा भी कर लिया। वही जब

बीते मई में प्रेमी से संपर्क होना बंद हो गया तो प्रेमिका को ढूढ़ते ढूढ़ते प्रेमी के घर पहुंची। प्रेमी के घर पहुंचकर प्रेमिका ने तांडव मचा दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रेमिका को उत्तराव थाने ले गई। प्रेमिका ने उत्तराव थाने में प्रेमी के खिलाफ तहरीर दी थी। मामला हनुमानगंज का होने से पुलिस ने सराय इनायत थाने में भेज दिया।प्रेमिका ने बताया कि उसके पास प्रेमी द्वारा बात किए गए रिकॉर्डिंग व चैटिंग किया गया कई दिनों का पूरा डिटेल है जो प्रार्थना पत्र के साथ थाने में दी है।

इनकम टैक्स ने कहा जांच पूरी होने तक 40 लाख न करें रिलीज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सपा एमएलसी डॉ. मान सिंह व सपा से जिला पंचायत अध्यक्ष की प्रत्याशी मालती यादव के भाई संजय यादव के पास से मिले 40 लाख रुपये को थाने से रिलीज करने पर इनकम टैक्स ने रोक लगा दी है। मेजा पुलिस को इनकम टैक्स की ओर से भेजी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि जब तक इनकम टैक्स की जांच पूरी न हो जाए, इन रुपयों को थाने से रिलीज न किया जाए। वहीं दूसरी ओर मेजा पुलिस इस बात की जांच में जुट गई है कि 40 लाख रुपये कहां से आए। ये हवाला के रुपये हैं या इन रुपयों से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी की मदद में सदस्यों की खरीद खरोख्त करना था।

मंगलवार भोर में मेजा इंस्पेक्टर अरुण चतुर्वेदी ने अपनी टीम के साथ पहलवान ढाबे के पास एक स्कॉर्पियो में बैठे सपा एमएलसी डॉ. मान सिंह और स्कूल प्रबंधक संजय यादव को पकड़ा था। संजय यादव के पास 40 लाख रुपये था। रुपयों का हिसाब न देने पर पुलिस ने एमएलसी डॉ. मानसिंह, संजय यादव और चालक अरुण के खिलाफ चुनाव प्रक्रिया को अनैतिक रूप से प्रभावित करने का मुकदमा दर्ज किया था। विधायक को छोड़ दिया गया। अन्य दोनों को मुचलका पर छोड़ा गया। इसके बाद पुलिस अफसरों ने इन रुपयों की जांच करने के लिए इनकम टैक्स से पत्राचार किया था।

डाक्टर्स डे पर केंद्रीय उत्तर मध्य रेलवे डॉक्टर्स को दी गई बधाई

अखंड भारत संदेश

प्रयाजराज। गुरुवार को नार्थ सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन सम्बद्ध इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन व ऐक्टू द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम की शुरूआत प्रयागराज उत्तर मध्य रेलवे चिकित्सालय के डॉक्टरों को राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे की बधाई देते हुए कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान की परवाह किये बगैर हजारो लोगो की जान बचाने के लिए पुष्पगुच्छ देकर धन्यवाद दिया।

इस मौके पर रेल बचाओ, डी ए बचाओ , कर्मचारी बचाओ अभियान की शुरुआत करते हुए नॉर्थ सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन के महामंत्री कामरेड मनोज पांडेय ने कहा कोविड संकट में सिर्फ़ सरकारी कर्मचारियों ने अपना जीवन की परवाह किए बगैर रात दिन कार्य करते रहे शहादत देते रहे, लेकिन सरकार अभी तक कोरोना वैरियर्स घोषित करना डी ए तक़ नही दे रही है। इसीलिए इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन व ऐक्टू के आह्वान पर निमन मांगो के समर्थन में 1 जुलाई से 15 जुलाई तक़ रेल बचाओ, डी ए बचाओ, कर्मचारी बचाओ अभियान शुरू करने जा रहे है।डी ए की किश्तें एरीयर समेत बहाल करो।रात्रि पाली भत्ते से 43600 की सीलिंग हटाओ।पुरानी पेंशन बहाल करो, उत्पादन इकाइयों समेत रेल का निगमीकरण/निजीकरण बंद करो। रेल कमिन्यों को करोना वोरियर्स

घोषित करते हुए पचास लाख के बेनिफिट का पात्र बनाएँ व करोना काल में जान गँवा चुके साथियों के लिए पूरी पेंशन सहित उपरोक्त लाभ की घोषणा करें।साथ ही आठ घण्टे का ड्यूटी रॉस्टर लागू करो। ट्रेकमेनों को सभी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाने सहित अन्य विभागों की तरह केडर रिस्टर्चरिंग लागू करो।1800 ग्रेड पे में कार्यरत कमिन्यों को 1900 में अपग्रेड करो।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नार्थ सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन केंद्रीय महामंत्री कॉमरेड मनोज पांडेय,ऐक्टू राष्ट्रीय सचिव डॉ कमल उसरी, केंद्रीय कोषाध्यक्ष संजय तिवारी, सहायक केंद्रीय महामंत्री सैय्यद इरफ़ात अली, सैय्यद आफ़ताब अहमद, राकेश शर्मा, अफ़रोज़ आलम, सुनील आर्यन, अमित रंजन , इफ्तेखार अहमद, आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

संपर्क में ही नहीं आ रहे जिला पंचायत सदस्य, प्रत्याशियों और नेताओं की बढ़ी चिंता

प्रयागराज। जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए शनिवार को मतदान होगा लेकिन जीत-हार के दावों को लेकर गुत्थी सुलझने के बजाय और उलझ गई है। शह-मात के इस खेल में ज्यादातर सदस्य ही भूमिगत हो गए हैं। इससे प्रत्याशियों का उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा। इससे मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सपा समर्थित मालती यादव और भाजपा डॉ.वीके सिंह दोनों ही प्रत्याशी जीत का दावा कर रहे हैं लेकिन सदस्यों से संपर्क नहीं हो पाने की वजह से दोनों ही दल के नेता आश्वस्त नहीं हो पा रहे। बताया जा रहा है कि मतदान की तारीख नजदीक आने के साथ अन्य राज्य में भेजे गए सदस्यों को भी आसपास के जिलों में बुला लिया गया है लेकिन दूसरे पक्ष के नेताओं के संपर्क में न आने पाएं, इसके लिए पूरी सावधानी बरती जा रही है। एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि होटल तथा गेस्ट हाउस पर लोगों की नजर है। इसलिए जिला पंचायत सदस्यों को वरिष्ठ नेताओं की निगरानी में अलग-अलग स्थानों पर रखा गया है।

एक समय में एक गाड़ी का दो बार कर दिया चालान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। तीसरी आंख से देखकर होने वाले वाहनों के चालान से शहरी परेशान हैं। एक महिला की स्कूटी का एक ही समय पर दो-बार 500-500 रुपये का ई-चालान का मैसेज भेज दिया गया। इसी तरह एक व्यक्ति के बाएं तरफ मुड़ने पर उसकी गाड़ी का चालान कर दिया गया। तकनीकी गड़बड़ी से कई लोगों का इस तरह से चालान हुआ है। अब पीड़ित यातायात कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं।

प्राइवेट जॉब करने वाली नैनी की नीतिशा रोज स्कूटी से शहर आती हैं। कुछ समय पहले वह स्कूटी से हिंदू हॉस्टल छात्रावास चौराहे से होकर निकली थी। अब उनके मोबाइल पर ई-चालान का मैसेज आया है। पता चला कि एक दिन और एक ही समय पर उनकी स्कूटी का दो बार चालान कर दिया गया है। 500-500 रुपये जुर्माने का मैसेज आ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना देखे उनकी स्कूटी का चालान किया गया है। आरोप लगाया है कि बिना किसी संकेत के लेन बदलने पर चालान किया गया है। इसी तरह व्यापारी रचित ने बताया कि वह अपनी कार से म्योहाल से जा रहे थे। बाएं तरफ फ्री टर्न है। उन्होंने इंडीकेटर देकर गाड़ी मोड़ ली। बावजूद इसके उसकी कार का चालान कर दिया गया। 5500 रुपये जुर्माना का मैसेज आया है। इस मामले में यातायात पुलिस का कहना है कि कई बार तकनीकी कारणों से दो बार ई चालान जेनरेट हो जाता है। अगर कोई शिकायत करता है तो उसके एक चालान को छोड़कर अन्य चालान को खत्म कर दिया जाता है।

गन हाउस से चोरी दो रिवॉल्वर-कारतूस बरामद, तीन गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। लालगोपालगंज में करीब छह महीने पहले गन हाउस में चोरी करने वाले तीन अन्य बदमाश बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिए गए। इनके कब्जे से चोरी किए गए दो रिवॉल्वर व 10 कारतूस बरामद किए गए। मामले में चार आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं। गुरुवार को पकड़े गए आरोपियों में निजाम अहमद निवासी सोरांव, मो. वाहिद निवासी नवाबगंज मूल पता लखनऊ व छोटे उर्फ रहमत उल्ला निवासी हथिगवां प्रतापगढ़ शामिल हैं। उनके कब्जे से चोरी की बाइक भी बरामद हुई है। तीनों ने लालगोपालगंज स्थित सुशीला गन हाउस में पिछले साल 19 दिसंबर को हुई चोरी की वारदात में शामिल होने की बात कबूल की। घटना में पांच रिवॉल्वर, तीन डीबीबीएल, एक राइफल के अलावा 695 कारतूस चोरी हुए थे।

अखिलेश यादव के जन्मदिन पर सपाईयों ने केक काटने के साथ मास्क व छाता भी बाँटा गया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 48 वें जन्म दिन पर प्रयागराज मे जगहाँ जगहाँ केक काटा गया तो वहीं खाद्ध सामाग्री व पके भोजन के पैकेट भी ग़रीबो मे बाँटे गए।महानगर मे हुए विविध आयोजनो मे सपाइयों ने जम कर अपने नेता का जन्मदिन हषीउल्लास के साथ मनाया।चौक महानगर कार्यालय पर हरे लाल गुब्बारे से सजावट कर महानगर अध्यक्ष सै0इफ्तेखार हुसैन ने दो पाउण्ड का केक काटा।महासचिव रवींद्र यादव के संचालन मे दूकान्दारो व राहगीरों मे मास्क व मिष्ठान,केला व बिस्किट के पैकेट वित्रित किया गया।चन्द्र शेखर आज़ाद पार्क मे सपा अल्पसंख्यक सभा के महानगर अध्यक्ष शाहिद अब्बास रिज़वी,मो0तहज़ीब व मुलतान हुसैन.की ओर से विशाल सपाई रंग मे बना केक काटा गया और छोटे बच्चो को केक खिलाकर अखिलेश यादव की सेहत व सलामती की दूआ की गई।वहीं पर लगभग दो सौ लोगों को छाता भी बाँटा गया।शहर पश्चिम के भगलपूर गाँव की मलिन बस्ती मे एससीएसटी समाज के लोगों मे मुशीर अहमद व वीरु पासी की ओर से केक काटने के साथ पके भोजन के पैकेट व दूध के पैकेट ग़रीबों व ज़रुरतमन्दो मे बाँटे गए।युवा नेता मयंक यादव जोंटी की ओर से मुण्डेरा मे भव्य आयोजन मे केक काटने के साथ वस्त्र का वित्रण किया गया।सपा नेत्रि ऋचा सिंह की ओर से चक निरातुल मे ग़रीब बस्ती मे मेडिकल चेक कैम्प लगा कर जहाँ लोगों का जाँच की गई वहीं मुफ्त मे दवाइयों का वितरण खाद्ध सामान के साथ वस्त्र भी बाँटा गया।वरिष्ठ सपा नेता वज़ीर खान के नेत्रित्व मे पूर्व सांसद नागेन्द्र पटेल पूर्व विधायक

सत्यवीर मुनन,मुज़फ्फर बाग़ी सहित अनेको मुस्लिम युवाओं ने बड़ा ताज़िया इमाम बाड़ा पर फूल चढ़ा कर अखिलेश यादव के सेहत व सलामती की दूआ मांगी।नैनी मे सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव मो0 शारिक़ द्वारा साईकिल रैली निकाली गई।वहीं ग़रीब बस्ती मे व झोपड़ी मे रहने वालों को राशन आदि के साथ तरहा तरहा के उपहार बाँटे गए।राँबिन लोहिया द्वारा आरकन्या चौराहे पर केक काट कर जन्मदिन मनाया गाय ।बालसन चौराहे पर दिनेश यादव के नेत्रित्व मे केक काट कर अखिलेश का जन्मदिन मनाया गया।सौरभ यादव रामा द्वारा भी आयोजन किया गया। महिला महानगर अध्यक्ष मंजू यादव द्वारा साहित्यिक संगोष्ठी आयोजित की गई।सभी आयोजन मे सय्यद इफ्तेखार हुसैन ,रवींद्र यादव रवि,विजय वैश्य,इसरार अन्जुम,महेन्द्र निषाद, मोईन हबीबी, मो0मुजीब, रेहान अहमद,महबूब उसमानी,मो0 ग़ौस,ओ पी यादव, अभिमन्यु पटेल,विक्रम पटेल,रमाकान्त पटेल,नेपाल सिंह पटेल,इन्दू यादव,मंजू यादव,प्रतिमा रावत,रीता मौर्या,सुनीता कैथवास, सै0 मो0 अस्करी, शाहिद प्रधान, मो0तहज़ीब, मुलतान हुसैन, सैफ फरीदी, मशहद अली खाँ, मो0 ज़ैद, अब्दुल समद,औन ज़ैदी,राकेश वर्मा,भोला पाल,नन्द लाल नन्दा,वक़ार अहमद,संतोश केसरवानी,मो0असद,मो0अज़हर,आकिब जावेद खान,जय भारत यादव,लक्षमन यादव, मो0 हसीब, सै0 मो0 हामिद, आसिफ हुसैन, शबी हसन, आसिफ अन्सारी, शहनवाज़ हुसैन, अब्दुल्ला तेहामी,श्यामू यादव, मो0 हमज़ा, अब्दुल अहद,अंकित जयसवाल, संतोष निषाद,महेष निषाद, समेत सैकड़ो सपा कार्यकर्ता शामिल रहे।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

विचार

सम्पादकीय

प्रवासी मजदूरों की फिक्र

सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख से यह उम्मीद बन रही है कि इस महीने के आखिर तक सभी जरूरी इंतजाम पूरे करके प्रवासी मजदूरों तक यह सुविधा पहुंचा दी जाएगी। ऐसा हो जाए तो यह एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना को जमीन पर उतारने के लिए जो सख्त निर्देश जारी किए हैं, वे बहुत महत्वपूर्ण हैं। महामारी के हालात में आजीविका गंवा चुके प्रवासी मजदूर परिवारों की त्रासद स्थिति की सहज ही कल्पना की जा सकती है। ऐसे हर परिवार के लिए और परिवार के हर सदस्य के लिए राशन-पानी का इंतजाम उसी स्थान पर होना चाहिए, जहां वे रह रहे हों। इसलिए वन नेशन, वन राशन कार्ड की योजना की उपयोगिता और आवश्यकता में कोई संदेह नहीं हो सकता। लेकिन उस पर प्रभावी अमल सुनिश्चित करने को लेकर सवाल जरूर बनता है। इसी सवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों की खिंचाई करते हुए उनके अब तक के प्रयासों की तीखी आलोचना की है।

ध्यान रहे, कोर्ट ने देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूर परिवारों की दुर्दशा को देखते हुए पिछले साल मई में इस सुओमोटो केस पर सुनवाई शुरू की थी। इस बीच वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना पर बातें बहुत होती रहीं, प्रवासी मजदूरों तक योजना के फायदे पहुंचाने के दावे भी किए जाते रहे, लेकिन फायदे तो तब पहुंचेंगे जब इन प्रवासी मजदूरों का रजिस्ट्रेशन होगा। इसी मोर्चे पर सरकारों की ओर से लापरवाही बरती जा रही है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का नैशनल डेटाबेस तैयार करने का काम 31 जुलाई तक पूरा करने को कहा है। इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े दूसरे अधूरे काम भी इसी बीच पूरे करने होंगे। उदाहरण के लिए, दिल्ली जैसे राज्य में भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों में ईपीओएस (इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल) की शुरुआत नहीं की गई है। चूंकि इसके बगैर राशनकार्ड धारक की रीयल टाइम पहचान सुनिश्चित नहीं हो सकती, इसलिए यह व्यवस्था भी अमल में नहीं लाई जा सकती कि यूपी या बिहार के किसी मजदूर को मुंबई, बेंगलुरु या चेन्नै में राशन मिल जाए और उसके परिवार को यह उसके गांव स्थित दुकान से मिलता रहे। गौर करने की बात यह भी है कि जिन कानूनों के तहत सुप्रीम कोर्ट ने प्रवासी मजदूरों के परिवारों के लिए यह सहूलियत सुनिश्चित करने को कहा है, वे बरसों पुराने हैं। नेशनल फूड सिक्यॉरिटी एक्ट 2013 से, इंटर स्टेट माइग्रेंट वर्कमेन एक्ट 1979 से और अनऑर्गनाइज्ड वर्कर्स सोशल सिक्यॉरिटी एक्ट 2008 से ही अस्तित्व में हैं। साफ है कि किसी कानून का बन जाना और संबंधित सभी लोगों तक उस कानून का फायदा सचमुच पहुंच पाना दो एकदम अलग बातें हैं। कम से कम इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख से यह उम्मीद बन रही है कि इस महीने के आखिर तक सभी जरूरी इंतजाम पूरे करके प्रवासी मजदूरों तक यह सुविधा पहुंचा दी जाएगी। ऐसा हो जाए तो यह एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी, लेकिन जरूरी यह भी है कि ऐसे तमाम मामलों में सरकारों के कागजी दावों से आगे बढ़कर यह सुनिश्चित करने के कारगर प्रयास हों कि सभी जरूरतमंद लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में पहुंचे।

कहीं चुनावी पैंतरा तो नहीं है लव जिहाद

नरेंद्र नाथ

लव जिहाद और धर्मांतरण के मसले पर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सियासत गरम है। जम्मू-कश्मीर में सिख लड़की और मुस्लिम लड़के से जुड़े मामले को लव जिहाद से जोड़ा गया। वहां इस मुद्दे पर पिछले एक हफ्ते से तीखा आरोप-प्रत्यारोप चला और सिख संगठनों ने सरकार से उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश की तर्ज पर लव जिहाद कानून बनाने की मांग की। आरोप है कि दो सिख लड़कियों को श्रीनगर में जबरन दूसरे समुदाय के लोगों से शादी के लिए बंधक बनाया गया। हालांकि बाद में इस प्रकरण के कई अन्य पहलू भी सामने आए, जो लव जिहाद के दावों के विपरीत थे। खैर, तब तक लव जिहाद का मुद्दा जोर पकड़ चुका था। यह मामला ऐसे समय में उठा है, जब जम्मू कश्मीर में चुनावों की सुगबुगाहट शुरू हो गई है।अगले साल पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं। कुछ लोग इसे उनसे भी जोड़कर देख रहे हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि पिछले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड जैसे कई राज्यों ने इस दिशा में कानून बनाने की पहल की है। कानून बनाने के लिए राज्यों ने अध्यादेश का रास्ता अपनाया। इस बीच, लव जिहाद पर दोनों तरह के तर्क सामने आए हैं। मामला हाई कोर्ट-सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा है और कुछ में सुनवाई भी चल रही है। इसके अलावा बीजेपी शासित राज्य मध्य प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, असम और हिमाचल प्रदेश में लव जिहाद से संबंधित कानून या तो बन गए हैं या इसे बनाने की पहल की जा चुकी है। गुजरात में तो पिछले महीने ही यह कानून प्रभाव में आ गया है।

जानकार कहते हैं कि लव जिहाद से जुड़ा कानून कोई नया नहीं है। पहले ही मध्य प्रदेश सहित 10 राज्यों में इससे जुड़ा कानून था। इस बार इसमें संशोधन करके दोषियों को कड़ी सजा देने का प्रावधान किया गया है। अब लव जिहाद के मामलों में 5 से 10 साल की जेल हो सकती है। उधर, विपक्ष इस मामले पर अब तक चुप रहा है। उसे पता है कि पहले ही ऐसे मसलों पर उसका राजनीतिक नुकसान हो चुका है। इस कारण तमाम विपक्षी दल मुस्लिम संगठनों के निशाने पर भी आए। इन्हीं वजहों से ओवैसी की पार्टी ने कुछ राज्यों में अपनी सियासत मजबूत की। विपक्षी दलों को यह भी लगता है कि इन मुद्दों का सिर्फ सियासी मकसद है, जो उनके विरोध करने भर से पूरा हो जाएगा। इसलिए विपक्ष ने इनसे खुद को दूर रखने का फैसला किया है।

याद रहे कि लव जिहाद के नाम पर राजनीति भले ही आज गरम हो, हिंदूवादी संगठनों के लिए यह मसला सालों पुराना है। साल 1909 में प्रखर हिंदूवादी नेता यूएन मुखर्जी ने धर्मांतरण का मुद्दा उठाया था और

उस वक्त इस मुद्दे पर जोरदार बहस हुई थी। तब हिंदू संगठनों ने 'शुद्धि और संगठन' नाम से एक अभियान भी चलाया। यह अभियान आज पूरे देश में चल रहे 'घर वापसी अभियान' का ही एक रूप था। तब से लेकर आज तक यह हिंदू संगठनों के अजेंडे में अहम रहा है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी की अगुआई में केंद्र में बीजेपी की सरकार बनी, तो कानून के स्तर पर भी इसकी पहल हुई। दिलचस्प बात है कि लव जिहाद शब्द का पहली बार इस्तेमाल 2009 में केरल में वामदलों की ओर से किया गया था। वहां वामदलों ने ईसाइयों के मुस्लिम धर्म परिवर्तन का मुद्दा उठाया था। लेफ्ट के वीएस अच्युतानंदन यह मुद्दा उठाने वालों शुरुआती नेताओं में शामिल थे। मामले की जांच करते हुए केरल पुलिस ने कोर्ट में लिखित रिपोर्ट दी कि कई संगठन साजिशन केरल में लड़कियों को मुस्लिम बनाने के मकसद से प्रेम करते थे। दरअसल, केरल में लेफ्ट हिंदू और ईसाई वोट के सहारे सत्ता तक जाता रहा है।

फिर कर्नाटक में इसका प्रयोग हुआ। बाद में बीजेपी और दूसरे हिंदू संगठनों ने इसे राष्ट्रीय मुद्दा बना डाला। यह मुद्दा 2014 के बाद पहली बार तब बड़े पैमाने पर सामने आया, जब एक टीवी चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में एक संगठन की ओर से धर्म परिवर्तन करने का दावा किया गया। इसमें यह भी दावा किया गया कि यह संगठन विदेश से पैसा लेकर देश के अंदर इस तरह की गतिविधि करता है और हिंदू लड़कियों का ब्रेन वॉश करता है। इन सब कामों के लिए विदेश से हवाला के जरिए फंडिंग का भी आरोप लगा और जांच एजेंसी ने इससे जुड़े सूबत मिलने का भी दावा किया। फिर इससे संबंधित केस सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचे। हालांकि अभी तक इस मामले में जांच पूरी नहीं हो सकी है। हिंदू संगठनों ने लव जिहाद को मुस्लिम और ईसाइयों की ओर से धर्म परिवर्तन की एक बड़ी साजिश के रूप में लिया है। कहीं इसका राजनीतिक लाभ मिलता है तो कहीं इसका नुकसान भी उठाना पड़ता है। कुछ साल पहले झारखंड में पत्थलगड़ी आंदोलन का खामियाजा बीजेपी को भुगतना पड़ा। हालांकि मामला आदिवासियों की परंपरा से जुड़ा बताया जाता था, लेकिन तब सत्तारूढ़ बीजेपी ने इस आंदोलन को धर्म परिवर्तन करने वाले ईसाई समुदाय के गठजोड़ में चलने वाली साजिश का बताते हुए धरुवीकरण की कोशिश की थी। हजारों लोगों पर उसने मुकदमे भी किए। कुछ इलाकों में बीजेपी को जरूर सफलता मिली, लेकिन कुल मिलाकर देखा जाए तो उसे नुकसान हुआ क्योंकि इस आंदोलन के बहाने जेएमएम और कांग्रेस को आदिवासी समुदाय के बीच अपना खोया जनाधार वापस मिल गया। हालांकि बीजेपी का मानना है कि लव जिहाद एक ऐसा मामला है, जिससे उसे व्यापक समर्थन मिला है।

बूस्टर डोज ठीक है या नहीं, कोई तो बताए

अनु जैन रोहतगी

हाल ही में ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च में दावा किया गया है कि एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की दूसरी डोज लेने के छह महीने बाद बूस्टर डोज लेने के नतीजे अच्छे आते हैं। रिसर्च यह भी कहती है कि वैक्सीन की दो डोज के बीच ज्यादा गैप देने से भी अधिक फायदा होता है। इसलिए वैक्सीन की तीनों डोज दस महीने के अंतराल पर लगनी चाहिए। इसी रिसर्च में फाइजर और एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की मिक्स डोज के भी अच्छे रिजल्ट पाए जाने का दावा किया गया है। कहा गया है कि एस्ट्राजेनेका की डोज के चार हफ्ते बाद फाइजर वैक्सीन लगाने पर इम्यून रेस्पॉन्स अच्छा देखा गया। हालांकि इस रिसर्च पर ऑक्सफर्ड से ही जुड़े कुछ विशेषज्ञों ने सवाल भी उठाया है। उनका कहना है कि एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की दो डोज कितने समय तक शरीर की कोरोना से रक्षा करती है, इस पर और शोध की जरूरत है। तभी पता चल पाएगा कि बूस्टर डोज की जरूरत है या नहीं। वहीं, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च पहले ही कह चुकी है कि बूस्टर डोज के बारे में अभी कोई भी निणय्र लेना जल्दबाजी होगी।कुछ समय पहले फाइजर और मॉडर्ना ने कहा था कि आने वाले समय में बूस्टर डोज लेने की जरूरत पड़ सकती है। मगर 'नेचर जरनल' में प्रकाशित एक अमेरिकन स्टडी बूस्टर डोज को नकारती है। इसमें कहा गया है कि जिन लोगों ने मॉडर्ना और फाइजर की जरूरी डोज लगवाई हैं, उनको शायद बूस्टर डोज लेने की जरूरत न पड़े। वॉशिंग्टन यूनिवर्सिटी के इम्यूनॉलजिस्ट अली एलबेडी की अगुआई में हुई इस स्टडी में यह संभावना व्यक्त की गई है कि कोरोना के खिलाफ बनी इम्यूनिटी सालों-साल या जिंदगी भर रह सकती है, बशर्ते कोरोना का स्वरूप बहुत न बदले और वैक्सीन लगने से पहले व्यक्ति को कोरोना संक्रमण हो चुका हो।स्टडी ने यह भी कहा कि बुजुर्ग और वे लोग, जिनकी इम्यूनिटी कम है, उन्हें बूस्टर डोज लेने की जरूरत पड़ सकती है। अजीब स्थिति है कि कोई भी रिसर्च खुलकर यह नहीं कहती कि बूस्टर डोज जरूरी है या नहीं। यहां तक कि आईसीएमआर जैसी संस्था भी खुलकर बूस्टर डोज के बारे में कुछ बोलने से कतरा रही है। इससे लोगों में काफी भ्रम बढ़ गया है। यह भी तथ्य है कि मॉडर्ना और फाइजर वैक्सीन हर किसी को नहीं लगाई जा रही। ऐसे में किसी को यह शक भी हो सकता है कि क्या सेल बढ़ाने और वैक्सीन को प्रमोट करने के लिए इन रिसर्च का इस्तेमाल हो रहा है? हमारे देश में भी ड्रग कंट्रोलर ऑफ इंडिया ने भारत बायोटेक को कुछ वॉलंटियर्स पर को-वैक्सीन की बूस्टर डोज के ट्रायल की इजाजत दे दी है। कंपनी ने दूसरी डोज लगने के छह महीने बाद बूस्टर डोज लगाने का प्रस्ताव रखा है। लेकिन इससे भी बूस्टर डोज को लेकर भ्रम बढ़ा ही है।दरअसल बूस्टर डोज भी वैक्सीन है। इसे इसलिए लगाते हैं क्योंकि शरीर में मौजूद कोशिकाओं में दुश्मन वायरस के बारे में मेमोरी बनी रहती है। जब वह वायरस शरीर पर दोबारा अटैक करता है तो हमारा इम्यून सिस्टम बहुत जल्द एक्टिव होकर उससे लड़ता है। लेकिन कई बार थोड़े या लंबे समय बाद उस वायरस के बारे में हमारी कोशिकाओं में मेमोरी नहीं रह पाती या कमजोर पड़ जाती है, ऐसी स्थिति में मरीज को बूस्टर डोज देकर वह मेमोरी ताजा की जाती है।

चीन में कम्युनिस्ट पार्टी अभी तो है अजेय

श्वेता गोयल

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी सौ साल पूरे कर रही है। चीन में इस मौके पर एक जुलाई को होने वाले शानदार जशन की तैयारियां काफी पहले से चल रही हैं। यह स्वाभाविक भी है। 1949 में हुई क्रांति के बाद से चीन में इसी पार्टी का शासन है। इसी के नेतृत्व में चीन कृषि प्रधान देश से औद्योगिक राष्ट्र में तब्दील होते हुए आज दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। सबसे बड़ी बात यह कि इतना सब करके भी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी थकी हुई नजर नहीं आ रही। ऐसा नहीं लग रहा कि उसे बाहर या अंदर से कोई बड़ा खतरा है। खतरे की बात इसलिए अहम है क्योंकि हम देख चुके हैं कि पिछली सदी के आखिरी दशक में संसार का दूसरा सुपर पावर माना जाने वाला सोवियत संघ और उसके साथ पूरा सोशलिस्ट ब्लॉक कैसे बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के अपने आप ढह गया। दुनिया भर में इसे ठीक ही वामपंथ की घोर विफलता माना गया।यह सवाल हर विचारशील व्यक्ति के मन में है कि आखिर क्या बात है कि जो विचारधारा सोवियत संघ समेत दुनिया के ज्यादातर देशों के पांवों की जंजीर साबित हुई, वही चीन को तरक्की की राह पर सरपट दौड़ाए चली जा रही है? इसलिए यह और जरूरी हो जाता है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के इन सौ सालों की रोशनी में वामपंथ से जुड़े कुछ बुनियादी सवालों पर विचार किया जाए तो वामपंथ की बुनियादी कसौटियों के आलोक में उन बड़े दावों को भी परखा जाए, जो कम्युनिस्ट पार्टियां विश्व कम्युनिस्ट आंदोलन के सामने करती रही हैं।

इसमें कोई शक नहीं है कि 1949 में चीन में कम्युनिस्ट पार्टी की अगुआई में महज सत्ता परिवर्तन नहीं हुआ था, वह क्रांति थी। यानी उस परिघटना में सत्तारूढ़ वर्ग को उखाड़ कर अन्य वर्ग ने सत्ता पर कब्जा किया था। लेकिन वह सर्वहारा क्रांति नहीं थी। उस क्रांति से सत्ता पर मजदूर वर्ग का कब्जा नहीं हुआ था। खुद माओ ने उसे नव-जनवादी क्रांति कहा था। मतलब यह कि उस समय तक जिसे जनवादी क्रांति कहा जाता था, यह उससे अलग कोई चीज थी, इसमें कुछ नयापन था। वह नयापन क्या था? नई बात उसमें यह थी कि उस क्रांति में माओ ने चार वर्गों को शामिल बताया था। मजदूर और किसान के अलावा उसमें पूंजीपति वर्ग का एक हिस्सा भी शामिल था, जिसे माओ ने राष्ट्रीय पूंजीपति वर्ग के रूप में परिभाषित किया था।क्रांति के बाद भूमि सुधार के जो बड़े कदम उठाए गए थे, उनसे भी इस बात की पुष्टि होती है कि जनवादी क्रांति अपने कार्यभार को पूरा कर रही थी। लेकिन मूल सवाल तो यह है कि जब 1949 में मजदूर वर्ग के बजाय पूंजीपति वर्ग सत्ता में आया, तो फिर उसके बाद वहां दूसरी क्रांति कब हुई जिसमें मजदूर वर्ग ने पूंजीपति वर्ग को बेदखल कर सत्ता पर कब्जा किया? रूस में मार्च 1917 में हुई जनवादी क्रांति के बाद नवंबर में सर्वहारा क्रांति हुई मानी गई। चीन में ऐसा कब हुआ? कुछ लोग इसका जवाब सांस्कृतिक क्रांति में तलाशने की कोशिश करते हैं। लेकिन चाहे जितनी भी छोटी या बड़ी रही हो, चाहे जितनी भी विफल या सफल रही हो, थी तो वह सांस्कृतिक क्रांति ही। तो क्या सांस्कृतिक क्रांति से राजनीतिक क्रांति का कार्यभार पूरा हो सकता है? अगर हां तो फिर राजनीतिक क्रांति की जरूरत ही क्या थी? दुनिया भर में कम्युनिस्ट आंदोलन सांस्कृतिक क्रांति से ही काम चला लेता। लेकिन अगर नहीं तो यह मानना होगा कि चीन में वह कार्यभार अधूरा ही रहा। जितने तरह की उथल-पुथल और नीतियों में जो बड़े बदलाव हम वहां देखते हैं, वे पूंजी के ही अलग-अलग रूपों के टकराव की झलक थे, चाहे वह कृषि पूंजी और औद्योगिक पूंजी का टकराव हो या फिर औद्योगिक पूंजी और वित्त पूंजी का।

यही वजह है कि चीन सरकार और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अपनी विचारधारा और प्रतिबद्धता के बारे में चाहे जो भी दावे करती रही हों, पूंजी के तर्क को शिरोधार्य करते हुए चलने वाले तमाम देशों, कंपनियों और संस्थाओं को चीन की मौजूदगी से वैसी असुविधा नहीं होती जैसी किसी जमाने में सोवियत संघ का नाम भर सुन लेने से होने लगती थी। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन में भी चीन 2001 में ही आ गया और पिछले दो दशकों से बिना किसी खास कठिनाई के इसमें बना हुआ है। अमेरिका समेत तमाम देशों से उसका टकराव पूंजी और श्रम के मूल तर्कों का टकराव नहीं बल्कि पूंजी के तर्क के मुताबिक होने वाला सामान्य टकराव ही है।एकबारगी ऐसा लग सकता है कि कोई देश इतने लंबे समय तक कथनी और करनी का ऐसा फर्क कैसे चलाए रख सकता है। लेकिन यह वामपंथी आंदोलन की सामान्य बीमारी रही है और संभवतः उसके पतन का सबसे बड़ा कारण भी यही है। सच को सच कहने और डंके की चोट पर स्वीकार करने का मौजूदा संदर्भों में सबसे बड़ा उदाहरण लेनिन का माना जा सकता है। नवंबर 1917 की सर्वहारा क्रांति के चार साल के भीतर रूस में जो न्यू इकॉनमिक पॉलिसी लाई गई, उसके बारे में लेनिन ने खुद साफ-साफ कहा कि इसे समाजवाद की ओर बढ़ा हुआ कदम हर्गिज न माना जाए। यह पूंजीवाद से समझौता है, जो हम कुछ समय के लिए कर रहे हैष्ठ। इसके बाद ऐसी साफगोई नहीं दिखती। चाहे दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान दुनिया के मजदूरों की नुमाइंदगी के सवाल को ताक पर रखने की बात हो या खुश्चेव के दौर में 'शांतिपूर्ण सह अस्तित्व' के सिद्धांत को स्वीकारने का, हर फैसला समाजवाद की दिशा में आगे बढ़ाया गया कदम ही बताया गया। सबसे बड़ी बात कि विश्व कम्युनिस्ट आंदोलन लगभग सर्वसम्मति से उसे स्वीकार भी करता रहा। वरना सोवियत संघ का पतन दुनिया भर के कम्युनिस्टों के लिए इतना तगड़ा भावनात्मक झटका नहीं होता।

2022 के अन्त तक किसानों की आय को दोगुना किया जा सके

विजेंदर शर्मा

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कृषि विभाग की प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना की राज्य परियोजना क्रियान्वयन इकाई द्वारा रिलायलाइजेशन ऑफ मिशन नैचुरल फार्मिंग अमंग स्मॉलहोल्डर्ज विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वैबिनार को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि वर्ष 2022 के अन्त तक किसानों की आय को दोगुना किया जा सके। जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना का क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल फसलों की पैदावार बढ़ेगी बल्कि किसानों की लागत में भी कमी आएगी। किसानों की लागत को कम करने में सुभाष पालेकर प्राकृतिक खेती पद्धति उभर कर सामने आई है। इस पद्धति के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पदार्थों का उपयोग करके पैदावार उपज और कृषि स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों की नीति आयोग ने सराहना की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए पहले बजट में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया था। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के सपने को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी 9.61 लाख किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करने का प्रयास कर रही है ताकि हिमाचल देश का प्राकृतिक कृषि प्रदेश बन सके। उन्होंने कहा कि 1.28 लाख किसान पहले से ही प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं और वे अन्य लोगों को भी इसे अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सन्तोष का विषय यह है कि हिमाचल प्रदेश देश के बड़े राज्यों में इस क्षेत्र में आदर्श राज्य बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कृषि योग्य भूमि सीमित है और अधिकतर किसान लघु और सीमान्त श्रेणी में आते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से न केवल अच्छी पैदावार मिलती है बल्कि किसानों को भी अच्छे दाम मिलते है। जय राम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को देश में सेब राज्य के रूप में भी जाना जाता है, परन्तु सेब उत्पादकों द्वारा रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग चिन्ता का विषय है। उन्होंने कहा कि सौभाग्यवश अधिक से अधिक सेब उत्पादक अब प्राकृतिक खेती को अपना रहे हैं, जिससे उन्हें अपने उत्पादों के अच्छे दाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार प्राकृतिक उत्पादों के प्रमाणीकरण करने के लिए एक तंत्र विकसित करने का भी प्रयास कर रही है ताकि वे अपने उत्पादों का अच्छा मूल्य प्राप्त कर सके।

कृषि मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि राज्य में सुभाष पालेकर प्राकृतिक खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल किसानों के लिए लाभदायक है, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नीति आयोग प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों और उनकी आर्थिकी पर होने वाले प्रभावों के संबंध में भी डाटा तैयार किया जाना चाहिए। पद्मश्री सुभाष पालेकर ने रासायनिक और जैविक खेती की जगह प्राकृतिक खेती करने से होने वाले विभिन्न लाभों के बारे में वर्चुअली माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की। कृषि सचिव डॉ. अजय शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

जम्मू-कश्मीर में ठिठकी राजनीतिक प्रक्रिया बढ़ी आगे

प्रमोद भार्गव

जम्मू-कश्मीर में धारा-370 और 35-ए समाप्त होने के बाद ठिठकी हुई राजनीतिक प्रक्रिया शुरू होने के सुखद संकेत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिल्ली में बुलाई बैठक में मिल गए हैं। क्योंकि बैठक से बाहर निकलने के बाद भाजपा समेत सभी राजनीतिक दलों के प्रमुखों का कहना था कि बैठक अत्यंत सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपनन हुई है। यह सौहार्द कश्मीर का भविष्य उज्ज्वल करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह ने इस बहुदलीय बैठक में भरोसा जताया कि जम्मू-कश्मीर में परिसीमन के बाद विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे और हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा भी दे दिया जाएगा। साफ है, चुनाव के बाद सरकार किसी की भी बने घाटी का बहुलतावादी चरित्र उभरेगा और सर्वांगीण विकास का सिलसिला शुरू हो जाएगा। नरेंद्र मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवाओं को राजनीतिक नेतृत्व देकर उनकी आकांक्षाएं पूरी करनी है। ऐसा होता है तो जमीनी स्तर पर लोकतंत्र मजबूत होगा और जम्मू-कश्मीर तथा दिल्ली के बीच दिल की दूरी कम होगी।जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए जिला विकास परिषद् के चुनाव में पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस समेत गुपकार गठबंधन के दलों ने भले ही अनुच्छेद-370 की वापसी की बात उठाई हो, लेकिन सच्चाई है कि अब इसकी वापसी दूर की कौड़ी है। इसीलिए बैठक में नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूख अब्दुल्ला ने साफ कर दिया कि 'वह कोई भी गैर-कानूनी कदम नहीं उठाएगी, जो भी लड़ाई लड़नी होगी वह संविधान के दायरे में होगी।' वैसे भी 370 का मामला सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए उस पर चर्चा का कोई फिलहाल नतीजा निकलने वाला नहीं है। इसकी वापसी इसलिए भी संभव नहीं है, क्योंकि यह एक अस्थाई अनुच्छेद था और बीते दशकों में इसके अनेक प्रावधान खत्म भी कर दिए गए हैं। जवाहरलाल नेहरू भी इसके पक्ष में नहीं थे, इसलिए उन्होंने कहा भी था, कि यह घिसते-घिसते स्वयं घिस जाएगा। सरदार पटेल और संविधान निर्माता डॉ अंबेडकर भी इसके पक्ष में नहीं थे। प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने भी इसे हटाने की कोशिश की थी।

लिहाजा इसको हटाने की बात करने वाले नेता दिन में स्वपन देख रहे हैं। हालांकि पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती अभी भी इसे हटाए जाने का राग अलाप रही है। कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने इन मुद्दों के अलावा कश्मीरी पंडितों की सुध लेते हुए कहा कि 'वे 30 साल से विस्थापन का दंश झेल रहे हैं, इसलिए जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक दल की जिम्मेवारी है कि उन्हें वापस लाया जाए और उनका सम्मानजनक पुर्नवास हो।' याद रहे 1979-90 में घाटी में आतंक का उफान आया और दो-तीन दिन के भीतर ही करीब पांच लाख कश्मीरी पंडित, सिख, जैन और बौद्ध समुदाय के लोगों को खदेड़ दिया गया था। जो आज भी दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। इस कठिन परिस्थिति में फारूख अब्दुल्ला संकट से मुंह मोड़कर लंदन प्रवास पर चले गए थे। अतएव जब तक इन विस्थापितों का पुर्नवास नहीं होगा, तब तक न तो कश्मीर में बहुलतावादी चरित्र सामने आएगा और न ही अनुच्छेद-370 खत्म होने का कोई अर्थ रह जाएगा। इस लिहाज से आजाद ने विस्थापितों का सवाल सभी दलों के समक्ष उठाकर कश्मीर के मूल चरित्र को स्थापित करने की बात कही है। जम्मू-कश्मीर के विभाजन और विधानसभा सीटों के विभाजन संबंधी पुनर्गठन विधेयक-2019, 31 अक्टूबर 2019 को लागू कर दिया गया था। इसके लागू होने के बाद इस राज्य राज्य की भूमि का ही नहीं राजनीति का भी भूगोल बदलेगा। इसके साथ ही विधानसभा सीटों के परिसीमन के जरिए राजनीतिक भूगोल बदलने की तैयारी अब बहुदलीय बैठक के बाद शुरू हो जाएगी। नए सिरे से परिसीमन व आबादी के अनुपात में जम्मू-कश्मीर की नई विधानसभा का जो आकार सामने आएगा, उसमें सीटें घट अथवा बढ़ सकती हैं। बंटवारे के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित राज्य हो गए हैं। दोनों जगह दिल्ली व चंडीगढ़ की तरह की तरह मजबूत उप राज्यपाल सत्ता-शक्ति के प्रमुख केंद्र के रूप में अस्तित्व में आ गए हैं। लद्दाख में विधानसभा नहीं होगी। परिसीमन के लिए आयोग का गठन किया जाएगा। यह आयोग राजनीतिक भूगोल का अध्ययन कर रिपोर्ट देगा। आयोग राज्य के विभिनन क्षेत्रों में मौजूदा आबादी और उसका लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व का आकलन करेगा। साथ ही राज्य में अनुसूचित व अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों को सुरक्षित करने का भी अहम् निणय्र लेगा। परिसीमन के नए परिणामों से जो भौगोलिक, सांप्रदायिक और जातिगत असमानताएं हैं, वे दूर होंगी। नतीजतन जम्मू-कश्मीर व लद्दाख क्षेत्र नए उज्ज्वल चेहरों के रूप में पेश आएंगे।

जम्मू-कश्मीर का करीब 60 प्रतिशत क्षेत्र लद्दाख में है। इसी क्षेत्र में लेह आता है, जो अब लद्दाख की राजधानी है। यह क्षेत्र पाकिस्तान और चीन की सीमाएं साझा करता है। लगातार 70 साल लद्दाख, कश्मीर के शासकों की बदनेयति का शिकार होता रहा है। अब तक यहां विधानसभा की मात्र चार सीटें थीं, इसलिए राज्य सरकार इस क्षेत्र के विकास को कोई तरजीह नहीं देती थी। लिहाजा आजादी के बाद से ही इस क्षेत्र के लोगों में केंद्र शासित प्रदेश बनाने की चिंगारी सुलग रही थी। अब इस मांग की पूर्ति हो गई है। इस मांग के लिए 1989 में लद्दाख बुद्धिस्ट एसोशिएशन का गठन हुआ और तभी से यह संस्था कश्मीर से अलग होने का आंदोलन छेड़े हुए थी। 2002 में लद्दाख यूनियन टेरेटरी फ्रंट के अस्तित्व में आने के बाद इस मांग ने राजनीतिक रूप ले लिया था। 2005 में इस फ्रंट ने लेह हिल डवलपमेंट काउंसिल की 26 में से 24 सीटें जीत ली थीं। इस सफलता के बाद इसने पीछे मुडकर नहीं देखा।